पुष्कर सरोवर में नहाने के दौरान डूबने से रामदेवरा जातरू की मौत

सीकर निवासी इस मृतक का शव करीब आधे घंटे बाद सरोवर से निकाला जा सका

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में रविवार को पवित्र सरोवर में स्नान करते वक्त एक रामदेवरा जातरू की रविवार को दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस के अनुसार सीकर निवासी रतनलाल पुत्र मोतीराम 23 वर्ष गुर्जर घाट पर अपने साथियों के साथ स्नान कर रहा था। उसी दौरान गहरे पानी में चले जाने से उसकी डूबने से मौत हो गई। साथियों के चिल्लाने पर वहां मौजूद जोधपुर की एक लड़की और स्थानीय लोग और पुलिस मित्र के कैलाश तुरंत कूदे लेकिन युवक के गहरे पानी में चले जाने से करीबन आधे घंटे तक तलाश करने के बाद मिला और युवक को निकाला लेकिन तब तक युवक ने दम तोड़ दिया।

मृतक युवक के साथी बीरबल ने बताया कि हम चार-पांच साथी रामदेवरा दर्शन के लिए जा रहे थे उसी दौरान पुष्कर रुके और सुबह स्नान करने के लिए गुर्जर घाट गए। उस दौरान रतनलाल स्नान करते वक्त गहरे पानी में चले जाने से डूब गया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और पुलिस मित्र की टीम व सिविल डिफेंस टीम तुरंत पहुंची और युवक के शव को पुष्कर अस्पताल पहुँचाया। पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि घाटों पर आए दिन हादसे हो रहे हैं। पूर्व में भी एक युवक की डूबने से मौत हो गई वहीं आज फिर हादसा हो गया।

पुलिस को जानकारी देते मृतक के साथी युवक।

स्थानीय लोगों ने बताया कि नगर पालिका प्रशासन की तरफ से भी घाटों पर कोई सुरक्षा के इंतजाम नहीं होने के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। बरसात के दिनों में सरोवर में 8 से 10 फुट पानी आने के बावजूद तथा भादवा का मेला चल रहा है। भारी भीड़ के होने के बाद भी अभी तक नगर पालिका प्रशासन ने घाटों पर कोई भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए और नही गहरे पानी के संकेत के लिए लाल झंडिया लगाई। इसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। वहीं स्थानीय लोगों ने स्थानीय गोताखोरों को ही लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पुष्कर के पुरोहितों और स्थानीय गोताखोरों के द्वारा आए दिन सरोवर में डूबते लोगों को बचाया जा रहा है लेकिन उसके बाद भी प्रशासन और नगर पालिका उनको नजरअंदाज कर रही है। इसलिए पुष्कर सरोवर में हादसों को रोकने के लिए स्थानीय गोताखोरों की नियुक्ति की जाए। हालांकि सिविल डिफेंस की टीम पुष्कर के घाटों पर लगी हुई है लेकिन टीम में काफी कम लोग हैं और भीड़ खूब ज्यादा इन दिनों पड़ रही है जिसकी वजह से इस प्रकार की घटनाएं घट रही और समय रहते हैं उनको बचाया नहीं जा सकता है।

कोटा की मिलाट नगर में 10 फीट धंसी सड़क, युवक घायल

सीवरेज लाइन डालने के बाद बनाई गई सड़क अचानक धंसने से लोगों में आक्रोश उत्पन्न हो गया।

कोटा, (निसं)। भाजपा शहर जिला कोटा के पूर्व कार्यसमिति सदस्य इरशाद अली ने आरोप लगाया है कि कोटा शहर की गली-गली में चल रहे सीवरेज लाईन के कार्य में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है, नियमों को ताक पर रखकर मनमर्जी से सड़कें को उधेड़ दिया गया है और उसकी मरम्मत के नाम पर लीपापोती हो रही है। बरसात के मौसम में जगह-जगह सड़कें धंस रही हैं खड़ी हुई गाड़ियां भी जमीन में बैठ जाती है लेकिन फिर भी कोटा के स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल इनके खिलाफ कदम उठाने के बजाय 180 करोड़ की नई सड़कें बनाने की घोषणा कर रहे हैं इससे स्पष्ट है कि सीवरेज लाईन डालने से जो पोलें हुई हैं उसे नई सड़कों के नाम पर 180 करोड़ की लागत से भरा जायेगा।

शनिवार रात बोरखेड़ा की मिलाट नगर कॉलोनी में सीवरेज लाईन डालने के बाद बनाई गई सड़क धंस गई और 10 फीट का गहरा गड्ढ़ा हो गया जिसमें गिरने से कॉलोनी के मोहित शर्मा घायल हो गये, हालांकि आसपास के लोगों ने उन्हें निकाल लिया लेकिन उनका मोबाईल गड्ढ़े में से नहीं निकाला जा सका। नाराज लोगों ने गड्ढ़े पर पाताल के रास्ते का बोर्ड लगा दिया और इरशाद अली को मौके पर बुला लिया। इरशाद अली ने आरयूआईडीपी के अधीक्षण अभियंता राकेश गर्ग को दूरभाष पर पूरी घटना की जानकारी देते हुए अभियंता को मौके पर भेजने को कहा। अधीक्षण अभियंता गर्ग के आदेश पर कनिष्ठ अभियंता राजकुमार मिलाट नगर पहुंचे जहां मौजूद इरशाद अली और स्थानीय निवासियों ने नाराजगी प्रकट करते हुए उन्हें अविलम्ब गड्ढ़ा भरने के लिए कहा। लोगों के आक्रोश को देखते हुए कुछ ही देर में जेसीबी और डब्लूआरएम से भरी हुई गाडियां मिलाट नगर में पहुंच गई लेकिन गड्ढा इतना बड़ा था कि 2 ट्रोली डब्लूआरएम डालने के बाद भी गड्ढ़ा नहीं भरा जिस पर और डब्लूआरएम मंगवाकर किसी तरह गड्ढ़े को भरा गया। इस अवसर पर मिलाट नगर अध्यक्ष अर्जुन सिंह राणा, सत्यप्रकाश आदि उपस्थित थे।

धरना प्रदर्शन कर रहे पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रविंद्र सिंह भाटी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर में छात्रसंघ चुनाव की सरगर्मियां तेज होने के साथ ही छात्रों के गुट आमने सामने होने लगे है। शनिवार को एक बूथ को बंद किए जाने के प्रयास में छात्र नेता अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। सुबह तक धरने पर बैठे छात्र नेताओं से समझाइश की बात नहीं बनी तो पूर्व छात्र नेता को पुलिस ने शांति भंग में गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई।

इधर इस बात को लेकर छात्रों में अब आक्रोश फेल गया है। वहीं सोमवार को प्रत्याशियों के नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। भाटी शनिवार से विश्वविद्यालय केंद्रीय कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे थे। विवि के केंद्रीय कार्यालय में ही दोपहर से धरना से चले धरने प्रदर्शन के बाद रात 10 बजे तक मांग नहीं मानने पर स्टूडेंट्स ने खाना वहीं खाया। 11.30 बजे बिस्तर भी लगा दिए। आखिर रविवार की सुबह पुलिस ने आकर धरना स्थल खाली करवाया और भाटी को गिरफ्तार किया।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव में विश्वविद्यालय में इस साल पुराना परिसर स्थित वाणिज्य संकाय के पोलिंग बूथ और नामांकन केंद्र को हटाकर सेनापति भवन के सामने रातानाडा स्थित प्रबंधन विभाग में कर दिया। इस परिवर्तन का विरोध में एसएफआई के प्रत्याशी और उनके समर्थकों ने प्रदर्शन किया। एसएफआई के प्रत्याशियों और पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रविंद्र सिंह भाटी और समर्थकों का कहना था कि वाणिज्य संकाय के परंपरागत बूथ बिना कारण बदल कर कुछ विशेष लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए प्रबंधन विभाग में मतदान करवाया जाएगा।

इधर जब हंगामा चल रहा था, तभी एनएसयूआई के समर्थक छात्र एवं कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। एसएफआई और एनएसयूआई दोनों के बीच आमने सामने नारेबाजी शुरू हो गई। जिसके चलते भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। एसएफआई के ने मतदान का बूथ वापस वाणिज्य संकाय में नहीं किए जाने तक धरना जारी रखा। पूरी रात एसएफआई के समर्थक विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय में सीआरओ ऑफिस के सामने धरने पर बैठे रहे। आज सुबह पूर्व छात्र नेता रविंद्र सिंह भाटी को पुलिस पकड़ कर ले गई। बाद में धरना भी उठा दिया गया।

बारिश से कच्चा मकान गिरा

धौलपुर, (निस)। धौलपुर जिले के मनियां थाना क्षेत्र के खेरली के पास स्थित गांव भगपुरा में शनिवार को बारिश की वजह से खेत पर बना एक कच्चा मकान गिर गया। जिसमें दबने से बुजुर्ग की मौत हो गई। बताया जा रहा

- **दबने से बुजुर्ग की हुई मौत**

है कि बारिश की वजह से खेत में चारों और जलभराव हो गया। जिसकी वजह से झोपड़ीनुमा कच्चा मकान गिर गया। जिस कारण अंदर मौजूद एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे शनिवार को जिला अस्पताल धौलपुर लाया गया। जहां अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार तड़के बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। बुजुर्ग के दम तोड़ दिए जाने के बाद परिजन उसके शव को बिना पोस्टमार्टम कराए अपने साथ घर ले गए। जानकारी के अनुसार घटना में 66 वर्षीय छोटेलाल की मृत्यु हुई है।

हादसे होने के बावजूद दोबारा पेड़ पर लगा दिया बिजली मीटर

बामनवास, (निसं)। फुलवाड़ा ग्राम में एक ऐसा ही मामला देखने को मिला जहां पर बिजली विभाग द्वारा बिजली मीटर को व्यवस्थित जगह लगाने की बजाय एक पेड़ पर अव्यवस्थित बांधकर दुर्घटना को दस्तक देने के लिए छोड़ दिया गया है। सवाल उठता है कि बिजली विभाग के कार्मिकों द्वारा इस तरह गलत तरीके से मीटर पेड़ पर क्यों बांधा गया।

उस जगह पहले भी दो बिजली हादसे हो चुके हैं जिसमें दो जनहानियां भी हो चुकी है, फिर भी बिजली विभाग के अधिकारी कर्मचारी उनकी लापरवाही के कारण हो रहे इन हादसों से सबक नहीं ले रहे हैं एवं बिजली यंत्रों को गाइडलाइन के विपरीत अनियमितता बरतने गलत जगह लगाकर बिजली हादसों को निमंत्रण देने जैसा कार्य करने में लगे हुए है। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि यहां के बिजली विभाग के सहायक अभियंता रामनिवास मीणा पर भी समय-समय पर भ्रष्टाचार एवं उपभोक्ताओं द्वारा बिजली की शिकायतों का समय पर निवारण नहीं कर अनियमितता बरतने के आरोप लगाए जाते रहे हैं। बामनवास में बिजली सेवा संबंधित अनियमितता जिले में सबसे ज्यादा है एवं इसकी शिकायत कुछ दिनों पूर्व जिला कलेक्टर को भी की गई थी लेकिन हालात जस के तस बने हुए है।

बामनवास के फुलवाड़ा ग्राम में पेड़ पर बंधा बिजली का मीटर।

घटिया निर्माण के चलते तीन महीने बाद ही उधड़ गई नव निर्मित सड़क

सुजानगढ़, (निसं)। दुलिया बास में सालासर चुंगी नाका रोड पर स्थित नाईयों के श्मसान से होली धोरा में कायमखानी गेस्ट हाऊस की ओर से आ रही रोड में जुडने वाली सम्पर्क सडक अपने निर्माण के तीन माह में कंकर-कंकर हो गई। दुलिया पम्प हाऊस के पास निर्मित इस सडक पर जगह-जगह गड्ढे हो गए, जिनमें घरों का पानी ठहरने लगा है तथा सडक पर गडढे होने से राहगीर, खासकर बुर्जुग चोटिल हो रहे हैं, वहीं पूरी सडक पर कंकर बिखरने से दिन में दो-चार मोटरसाइकिल सवार रपट ही जाते हैं।

मौहल्ले के शब्बीर खान ने बताया कि सडक निर्माण के दौरान उन्होने सभापति प्रतिनिधि इदरीश गौरी को फोन कर घटिया निर्माण के बारे में जानकारी दी थी, लेकिन उन्होने कोई सुनवाई नहीं की। मो. अली ने बताया कि सडक निर्माण के दौरान ठेकेदार द्वारा मात्र दो

- **सड़क पर जगह-जगह गड्ढ़े हो गए है जिनमें घरों का पानी ठहरने लगा है**

इंची माल डालने तथा घटिया निर्माण को लेकर सडक का निर्माण कार्य रूकवाया था, तब कहा गया था कि सडक का निर्माण होने के बाद आप देखना, तब से हम इसे बिखरते हुए ही देख रहे हैं। मो. अली ने बताया कि पम्प हाऊस तक जाने वाला नाला भी जगह-जगह से क्षतिग्रस्त है, जिसके बारे में भी अनेक बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। मौहल्लेवासियों ने नगरपरिषद से दोबारा सडक निर्माण करवाने की मांग की है।

सुजानगढ़ में कंकरीट में तब्दील हुई नवनिर्मित सड़क।

नकबजनी के तीन आरोपी गिरफ्तार

देवगढ़, (निसं)। देवगढ़ थाना पुलिस लगातार क्षेत्र में बढ़ रहे अपराधों पर लगाम लगाने के लिए कडी मेहनत करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी के निर्देशन में कार्यवाही करते हुए रविवार को बडी सफलता प्राप्त करते हुए नकबजनी की वारदात का खुलासा किया है। जानकारी के अनुसार देवगढ थाना अधिकारी शैतान सिंह नाथावत ने बताया कि 16 अगस्त को थाना का मंड निवासी प्रहलाद मेवाडा पिता भंवरलाल मेवाडा ने देवगढ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि 15 अगस्त को फोन से मेरे घर के दरवाजे का ताला टूटे होने की सूचना मिलने पर मैं सूरत से देवगढ थाना का मर्डर अपने पैतृक घर आया। और जांच पडताल करने पर पता लगा कि घर में से काफी सामान नहीं था और सोने के हार सोने की रखडी चांदी का कंदोरा पाइजेब सहित अन्य जेवरात गायब थे। मुखबिर की सूचना पर कन्हैयालाल, श्याम लाल और महावीर को गिरफ्तार किया।

रामदेवरा मेले में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस ने बंदोबश्त किए

बीकानेर, (कासं)। पाली में हुए सड़क हादसे से सबक लेते हुए जिला पुलिस रामदेवरा जातरुओं के लिए सुरक्षा बंदोबश्त करने शुरू कर दिए हैं। हादसों को रोकने के लिए बीकानेर से दियातरा तक हर 25 से 30 किलोमीटर पर अस्थायी रूप से फिक्स पिकेट लगाई जा रही है। महाजन, लूणकरनसर, जामसर, बीछवाल, नयाशहर, नाल, गजनेर व कोलायत थाना पुलिस रात्रि के समय गश्त करेंगी।

हर आने-जाने वाले वाहनों की जांच होगी। वाहनों में क्षमता से अधिक सवारियां होने पर कार्रवाई की जाएगी। वाहन चालकों की ब्रीथ-एनालाइजर से जांच की जाएगी। चालक के शराब पीकर वाहन चलाने पर वाहन जब्त करने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रामदेवरा मेले के मद्देनजर अतिरिक्त स्टाफ सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया है। इसके अलावा कोलायत, गजनेर व कोडमदेसर में तालाबों के पास सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे ताकि कोई हादसा न हो। पैदल जातरुओं व वाहनों के पीछे पुलिस रिफ्लेक्टर लगा रही है।

बीकानेर से रामदेवरा जाने वाले जातरुओं के लिए राजमार्गों पर अवैध कट बंद करवाएं जा रहे हैं। पैदल मार्ग को दुरुस्त करवा रहे हैं- क्रॉसिंग वाली जगहों पर पुलिस जाब्ता तैनात रहेगा। साथ ही यातायात सूचकांक लगाएंगे जाएंगे। रात्रि के समय संबंधित थाना पुलिस अपने-अपने क्षेत्र में राजमार्ग पर जातरुओं को सड़क से दूर चलने व यातयात नियमों की पालना करने के लिए अलाउंसमेंट करेंगे- बीकानेर से दियातरा तक जहां-जहां जातरुओं का भार अधिक होगा उस जगह को चिन्हित कर यातयात को डायवर्ट करेंगे। जिला पुलिस ने आमजन से अपील की है कि रात के समय सड़क के बीचोंबीच नहीं चले। रात के समय पदयात्रा करते समय हाथ में टॉर्च रखें- ऊंटगाड़े-ट्रेक्टर-ट्रॉलियों व अन्य साधनों पर रिफ्लेक्टर जरूर लगावें। सड़क पर बैठ कर आराम नहीं करें- रात्रि विश्राम के लिए सड़क से 15-20 मीटर की दूरी पर डेरा लगाए।

योगेश यादव, पुलिस अधीक्षक का इस सम्बंध में कहना है कि जातरुओं की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। इसी के मद्देनजर राजमार्ग परिस्थित सभी थानाधिकारियों को विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। बीकानेर जिले की सीमा तक गश्त, फिक्स पिकेट व सादावर्दी में पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। विशेष तौर पर रात्रि के समय चेकिंग रहेगी। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के वाहन सीज करने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई करेंगे।

चूरू शहर में खुले पड़े हैं सीवरेज योजना के चैम्बर

चूरू, (कासं)। वार्ड 23 में बने सीवरेज योजना के चैम्बर काफी दिनों से खुले पड़े हैं। इस समस्या को लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अख्तर खान ने रोष व्यक्त किया है। जिलाध्यक्ष अख्तर खान ने बताया कि शहर के इस वार्ड में काफी दिनों से ये चैम्बर खुले पड़े हैं। यहां कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इस समस्या को लेकर प्रभारी सचिव व जिला कलेक्टर को उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के साथ जाकर अवगत कराया जा चुका है। प्रभारी सचिव नीरज के पवन ने कहा था कि सात दिन में इस समस्या का हल करवा देंगे, लेकिन अभी तक इस समस्या की कोई सुध नहीं ली है।

उन्होंने कहा कि अब तो नगर परिषद में सभापति अपना काम संभाल चुकी है। लेकिन फिर भी इस समस्या का कोई हल नहीं हो रहा है। वार्ड में एक मस्जिद ताजूशाह तकिया, एक निजी स्कूल व एक दक्ष प्रजापति भवन बना हुआ है। आसपास में काफी दुकानें व नजदीक के घरों में रहने वाले लोगों को

- **प्रभारी सचिव के निर्देश के बाद भी नहीं ली सुध**
- **स्कूल में अध्ययन करने वाले बच्चों को दिक्कत आ रही है**

बदबू का सामना करना पड़ता है। मस्जिद में नमाज अदा करने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। भवन में भी शादी-विवाह एवं अन्य आयोजनों को करने में काफी दिक्कत होती है। निजी स्कूल में अध्ययन करने वाले बच्चों को काफी दिक्कत आ रही है। वार्ड के बाबू टेलर ने बताया कि इन खुले चैम्बरों में से आ रहे गन्दे पानी से मौसमी बीमारियां फैल रही है। वार्ड के आरिफ, बिलाल, नदीम व भवन के राधेश्याम प्रजापत आदि उपस्थित थे।

तेजाब से भरा टैंकर पलटा

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बोरानाडा स्थित पेप्सी चौराहा के पास में रविवार की अलसुबह एक तेजाब से भरा टैंकर पलट गया। टैंकर में करीब 30 हजार लीटर तेजाब था। तेजाब सडक़ पर फैलने से धुंआ उठा और पूरे एरिया में गंध फैल गई। सूचना पर बोरानाडा फायर ब्रिगेड से दो दमकलें मौके पर पहुंची और पानी डाल कर धुंआ कंट्रोल किया। हालांकि अल सुबह हुए इस हादसे में गनीमत यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

दमकल सूत्रों ने बताया कि बोरानाडा के पेप्सी चौराहे के पास सुबह 5.30 बजे बाड़मेर की ओर से आ रहे तेजाब से भरा टैंकर पलट गया। टैंकर चालक चौराहे से टैंकर को मोड़ रहा था अचानक संतुलन बिगडा और टैंकर पलट गया। मौके से चालक सुरक्षित निकल गया। पलटते ही टैंकर का ढक्कन खुल गया और तेजाब सडक़ पर फैल गया। जिससे क्षेत्र में इतना धुंआ फैल गया। एक बार कुछ नजर नहीं आया। मौके से फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। क्षेत्र में दहशत फैल गई। बोरानाडा से पाल रोड तक तेजाब की बदबू फैल गई।

विद्यापीठ में होंगे क्रांतिकारी बदलाव: प्रो. सारंगदेवोत

जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ का 86वां स्थापना दिवस मनाया

उदयपुर, (कासं)। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ का 86 वां संस्था स्थापना दिवस रविवार को स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साईंसेंस के सभागार में विद्यापीठ के सभी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में हर्षोल्लास से मनाया गया।

कुलपति प्रो. एस.एस.सारंगदेवोत ने प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यापीठ की गौरवमयी यात्रा को बताते हुए कहा कि मातृ भूमि और मातृसंस्था के लिए सेवा भाव चेतना जागृत होने पर ही सामने आती है और यही चेतना देश और संस्थानों के उत्थान का मार्ग प्रशस्त करता है। हमें सूर्य की भांति निरन्तर गतिशील और क्रियाशील रह कर कर्तव्यपथ को प्रकाशित करना होगा ताकि राष्ट्र को विकास के पथ पर अग्रसित किया जा सके। देश के विकास का ये स्वप्न समाज के निचले और पिछडे तबके तक शिक्षा की अलख पहुंचाएं बिना अधूरा है। देशभक्ति की इसी भावना और सोच को साकार रूप देने के लिए ही राजस्थान विद्यापीठ की स्थापना जनार्दन राय नागर ने की थी। संस्थापक जन्नूभाई के सपने को पूरा करने और राष्ट्र उन्नित में अपनी भूमिका के दायित्व को पूर्ण करने की दिशा में हम पूर्ण समर्पण से प्रयत्नशील है।

जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ के स्थापना दिवस के अवसर पर उपस्थित अतिथिगण।

आजादी के 10 वर्ष पूर्व संस्थापक जनुभाई ने वंचित, आदिवासी व श्रमजीवी को शिक्षा की मुख्य धारा से जोडने के उद्देश्य से पांच कार्यकर्ता व तीन रूपये के बजट से 1937 में स्थापित संस्था ने अपना वट वृक्ष का रूप ले लिया है।

प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि संस्था में आगामी दिनों में कई क्रांतिकारी बदलाव करने जा रहा है। स्थापना के 50 वर्ष बाद संस्थान को पांच पाठयक्रमों के साथ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया। आज 25 संकाय के साथ 10 हजार विद्यार्थी नियमित रूप से अध्ययन कर रहे है। विद्यापीठ शिक्षा के साथ वंचित वर्ग तक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस क्षेत्र में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभाने जा रहा है। इसी कडी में 15 करोड़ की लागत से 120 बेड के हॉस्पीटल का शुभांरभ आगामी दिनों में किया जायेगा। डबोक परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का इंडोर स्टेडियम व तरणताल, श्रमजीवी परिसर में शुटिंग रेंज बनाई जायेगी ,जिससे विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिलेगा। 300 विद्यार्थियों के लिए आधुनिक सुविधा से युक्त हास्टल का निर्माण अंतिम चरणो में है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चित्तौड़ के सांसद सी.पी. जोशी ने कहा संस्था ने देश ही अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ख्याति प्राप्त की है यह हमारे लिए गौरव की बात है। आज क्षेत्र में अग्रणी संस्था है।

राजस्थान विद्यापीठ के कुलाधिपति प्रो. बलवन्त राय जानी ने स्थापना दिवस समारोह में कहा कि विद्यापीठ सदैव से ही स्वयं से ज्यादा समाज और देश के प्रति अपने दायित्व के प्रति सजग रह का चिन्तन मनन करता है। मुख्य अतिथि उपमहापौर पारस सिंघवी ने कहा कि विद्यापीठ की बदौलत ही आज मैं इस मुकाम पर पहुंचा हूँ। 86 वर्ष पुर्व जनुभाई ने दिन में काम करने वालो को शिक्षा के जोडने के लिए श्रमजीवी महाविद्यालय की स्थापना की।